vinetur

स्पेन के अध्ययन में GLP-1 दवाएं लेने वाले मरीजों ने 44 सप्ताह बाद कम शराब पीने की बात कही

135 मरीजों के अवलोकनात्मक विश्लेषण में मोटापे और टाइप 2 मधुमेह से पीड़ित वयस्कों ने आहार संबंधी सलाह का बेहतर पालन भी किया

गुरुवार, 19 नवंबर 2026



स्पेन में नियमित चिकित्सा देखभाल के दौरान मोटापे और टाइप 2 मधुमेह के लिए GLP-1 दवाएं लेने वाले वयस्कों ने 44 सप्ताह में कम शराब पीने और अधिक सेहतमंद आहार अपनाने की बात कही। यह अध्ययन बुधवार, 18 नवंबर को Addictive Behaviors में प्रकाशित हुआ। शोधकर्ताओं ने कहा कि ये नतीजे इस बात में बढ़ती दिलचस्पी को दर्शाते हैं कि मधुमेह और वजन घटाने के लिए व्यापक रूप से इस्तेमाल होने वाली दवाएं रक्त शर्करा और वजन से परे व्यवहार को भी प्रभावित कर सकती हैं। हालांकि, उन्होंने जोर दिया कि अध्ययन अवलोकनात्मक था और इससे यह साबित नहीं होता कि बदलाव दवाओं के कारण हुए।

विश्लेषण में मोटापे और टाइप 2 मधुमेह, दोनों से पीड़ित 135 वयस्कों पर नजर रखी गई, जिन्होंने कई स्पेनिश स्वास्थ्य केंद्रों में GLP-1 रिसेप्टर एगोनिस्ट से इलाज शुरू किया या उसकी खुराक बढ़ाई। समूह की औसत आयु लगभग 62 वर्ष

थी, आधे से कुछ अधिक पुरुष थे और औसत बॉडी मास इंडेक्स 36.2 था। कई लोगों में उच्च रक्तचाप या असामान्य कोलेस्ट्रॉल सहित हृदय रोग के अन्य जोखिम कारक भी थे।

GLP-1 रिसेप्टर एगोनिस्ट में semaglutide, dulaglutide, liraglutide और exenatide जैसी दवाएं शामिल हैं। ये खाने के बाद शरीर में निकलने वाले एक हार्मोन की नकल करती हैं और आम तौर पर रक्त शर्करा कम करने तथा वजन घटाने में मदद के लिए दी जाती हैं। शोधकर्ता यह भी अध्ययन कर रहे हैं कि क्या ये दवाएं मस्तिष्क की रिवार्ड प्रणाली को प्रभावित कर सकती हैं, जो लालसा और पदार्थों के सेवन में भूमिका निभाती है।

स्पेन के इस समूह में अध्ययन की शुरुआत में ही शराब का सेवन कम था। शराब सेवन का पूरा रिकॉर्ड उपलब्ध 130 मरीजों में से 87.7% सबसे कम श्रेणी में थे, यानी प्रतिदिन शून्य से एक मानक ड्रिंक ; 6.9% ने प्रतिदिन दो ड्रिंक और 5.4% ने प्रतिदिन दो से अधिक ड्रिंक लेने की बात कही। 44वें सप्ताह तक 96.2% शून्य से एक ड्रिंक वाली श्रेणी में थे, 3.8% ने प्रतिदिन दो ड्रिंक बताईं और किसी ने भी प्रतिदिन दो से अधिक ड्रिंक की सूचना नहीं दी।

अध्ययन में मानक ड्रिंक की इकाई का इस्तेमाल किया गया, जिसे स्पेन में 10 ग्राम शुद्ध अल्कोहल के रूप में परिभाषित किया जाता है। यह मोटे तौर पर एक छोटा गिलास वाइन या बीयर के बराबर है। प्रश्नावली में शून्य और प्रतिदिन एक ड्रिंक को एक ही श्रेणी में रखा गया था, इसलिए शोधकर्ता यह पता नहीं लगा सके कि कम शराब पीने वालों ने पूरी तरह शराब छोड़ दी थी या केवल इसकी मात्रा थोड़ी घटाई थी।

आहार संबंधी सलाह का पालन भी बेहतर हुआ। इलाज शुरू होने पर 47.7% प्रतिभागियों ने कहा कि वे सुझाए गए आहार का पालन कर रहे थे। चौथे सप्ताह में यह आंकड़ा बढ़कर 66.7% हुआ और 44वें सप्ताह में 63.2% रहा। फॉलो-अप के दौरान जिन लोगों के जवाब उपलब्ध नहीं थे, उन्हें ध्यान में रखने के लिए सांख्यिकीय तरीके अपनाने के बाद भी यह सुधार कायम रहा।

शारीरिक गतिविधि के मामले में स्थिति अलग थी। नियमित व्यायाम की सूचना देने वाले मरीजों का अनुपात शुरुआत के 43.9% से बढ़कर 12वें सप्ताह में 56.1% हुआ, लेकिन 44वें सप्ताह में घटकर 50.4% रह गया। लंबे समय का यह बदलाव सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण नहीं था।

मानसिक स्वास्थ्य के नतीजे मिले-जुले रहे। मानसिक स्वास्थ्य और चिंता या अवसाद के व्यापक समग्र मापों में 44 सप्ताह के दौरान सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण सुधार नहीं दिखा। मानसिक स्वास्थ्य का औसत सामान्य स्कोर 50.3 से बढ़कर 52.2 हुआ, लेकिन शोधकर्ताओं ने इस बदलाव को अर्थपूर्ण नहीं माना। भावनाओं से जुड़ा एक खास माप जरूर अलग रहा : हर समय या अधिकतर समय शांत और सुकून में महसूस करने की बात कहने वाले मरीजों का अनुपात शुरुआत के 51.9% से बढ़कर 44वें सप्ताह में 69.2% हो गया। लेखकों ने कहा कि इस नतीजे को सावधानी से देखना चाहिए, क्योंकि यह मनोदशा से जुड़े कई अलग-अलग पहलुओं की खोजपरक जांच से सामने आया था।

यह अध्ययन SEVERAL अध्ययन के आंकड़ों का पोस्ट हॉक विश्लेषण था। SEVERAL वास्तविक परिस्थितियों में मरीजों पर आधारित एक क्लिनिकल समूह-अध्ययन है, जिसे मूल रूप से शराब सेवन या व्यवहार में बदलाव के बजाय चयापचय स्वास्थ्य और दवाओं की सुरक्षा का आकलन करने के लिए तैयार किया गया था। प्रमुख लेखक José Seijas-Amigo और उनके सहकर्मियों ने इस नए अध्ययन को खोजपरक और परिकल्पना तैयार करने वाला बताया।

डॉक्टरों ने दवाएं मरीजों को यादृच्छिक रूप से बांटने के बजाय सामान्य चिकित्सकीय निर्णय के अनुसार लिखीं। लगभग 35% मरीजों को dulaglutide, 31% को मौखिक semaglutide, 30% को इंजेक्शन से दी जाने वाली semaglutide और लगभग 4% को liraglutide या exenatide दी गई। अध्ययन अवधि में 43% प्रतिभागियों को दवा से प्रतिकूल प्रतिक्रिया हुई। इनमें से पांच में चार से अधिक मामलों में मतली जैसी पाचन संबंधी समस्याएं थीं और चार मरीजों ने इलाज स्थायी रूप से बंद कर दिया।

शोधकर्ताओं ने कहा कि शराब सेवन और आहार में आए बदलावों की कई वजहें हो सकती हैं। वजन घटने और मधुमेह

बेहतर ढंग से नियंत्रित होने से मरीजों की सेहत का एहसास सुधरा होगा और उन्हें अधिक स्वस्थ दिनचर्या अपनाने की प्रेरणा मिली होगी। ये दवाएं भूख, रिवार्ड और तनाव से जुड़े मस्तिष्क के मार्गों पर भी काम कर सकती हैं, जिससे शराब और अधिक कैलोरी वाले खाद्य पदार्थ कम आकर्षक लगें। लेकिन अध्ययन में लालसा, मस्तिष्क की गतिविधि या आवेगशीलता को सीधे नहीं मापा गया, इसलिए ये संभावित तंत्र अप्रमाणित हैं।

ये नतीजे पहले के शोध से मेल खाते हैं, हालांकि सबूत अभी सीमित हैं। 2025 में प्रकाशित एक यादृच्छिक क्लिनिकल परीक्षण में पाया गया कि semaglutide की कम खुराक से शराब सेवन विकार वाले लोगों में शराब की साप्ताहिक लालसा कम हुई और प्रयोगशाला की परिस्थितियों में शराब पीने की मात्रा घटी। अन्य अवलोकनात्मक शोधों में भी कुछ GLP-1 दवाओं और शराब से संबंधित अस्पताल में भर्ती होने के कम मामलों के बीच संबंध के संकेत मिले हैं। लेकिन उन अध्ययनों में अलग-अलग आबादी और अलग-अलग मापों का इस्तेमाल हुआ, इसलिए उनकी सीधे तुलना करना मुश्किल है।

नई रिपोर्ट की कुछ अहम सीमाएं भी हैं। इसमें इलाज न लेने वाला कोई तुलना समूह नहीं था, इसलिए दवाओं के असर को नियमित चिकित्सकीय फॉलो-अप, बार-बार दी गई जीवनशैली संबंधी सलाह, खुद वजन घटने या मतली जैसे दुष्प्रभावों से अलग नहीं किया जा सकता, जो भोजन और शराब में रुचि कम कर सकते हैं। इलाज शुरू होने से पहले ही लगभग 10 में से 9 मरीज शराब सेवन की सबसे कम श्रेणी में थे, इसलिए अधिक शराब पीने वाली श्रेणियों में केवल 16 लोग थे। अध्ययन में शराब सेवन की स्वयं बताई गई जानकारी पर भरोसा किया गया, समस्याजनक शराब सेवन की जांच के लिए क्लिनिकल स्क्रीनिंग टूल का इस्तेमाल नहीं हुआ और इसमें स्पेन के अधिक उम्र वाले वयस्कों पर ध्यान दिया गया। इससे यह सीमित हो सकता है कि नतीजे युवाओं या शराब की लत का इलाज चाहने वाले मरीजों पर कितने लागू होते हैं।

पेय उद्योग के लिए यह अध्ययन शोध की उस श्रृंखला में एक और कड़ी है, जिसके बड़े परीक्षणों में पुष्टि होने पर भविष्य में निहितार्थ हो सकते हैं। यदि GLP-1 दवाएं कुछ मरीजों में शराब के प्रति रुचि घटाती हैं, तो समय के साथ आबादी के एक हिस्से में बीयर, वाइन और स्पिरिट्स की मांग के रुझान प्रभावित हो सकते हैं। फिलहाल, उपभोक्ताओं के व्यवहार पर ठोस निष्कर्ष निकालने के लिए सबूत बहुत शुरुआती और सीमित हैं।

लेखकों ने कहा कि नतीजों को इस बात का प्रमाण नहीं मानना चाहिए कि GLP-1 दवाएं शराब की लत का इलाज करती हैं। उन्होंने ऐसे यादृच्छिक क्लिनिकल परीक्षणों की मांग की, जिन्हें खास तौर पर शराब पीने के व्यवहार, लालसा, दोबारा शराब सेवन शुरू होने और दीर्घकालिक सुरक्षा पर नजर रखने के लिए तैयार किया गया हो। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य के अध्ययनों में शराब सेवन के अधिक विस्तृत मापों और जैविक संकेतकों का इस्तेमाल होना चाहिए, ताकि जांचा जा सके कि दिख रहा बदलाव दवाओं के सीधे असर से आया है या बेहतर स्वास्थ्य के प्रति व्यापक प्रतिक्रिया का हिस्सा है।

इस शोधपत्र के लेखक Seijas-Amigo और स्पेन के शोधकर्ताओं की एक बड़ी टीम हैं। इसका शीर्षक है: Alcohol consumption, lifestyle behaviors, and emotional well-being during GLP-1 receptor agonist therapy: a post hoc analysis of the SEVERAL study.